भारतीय वानिकी अनुसंधान
एवं शिक्षा परिषद्

वर्ष 11 अंक 10
अक्टूबर 2019

वानिकी समाचार

अनुक्रमणिका

महत्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष	➤	01
विदेश दौरे	➤	03
प्रदर्शनी/मेला/किसान मेला	➤	03
कार्यशाला/संगोष्ठी/बैठकें	➤	03
प्रशिक्षण कार्यक्रम	➤	06
समझौता ज्ञापन	➤	08
प्रकृति कार्यक्रम	➤	08
जागरूकता कार्यक्रम	➤	09
गण्यमान्य व्यक्तियों का दौरा	➤	09
परामर्शी	➤	10
विविध	➤	10
मानव संसाधन समाचार	➤	10

महत्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष

वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

- उत्तर प्रदेश, पंजाब तथा हरियाणा राज्यों में सर्वेक्षण तथा एकत्रण किया गया। हस्तिनापुर (उ.प्र.), पथराड़ी, महेन्द्रगढ़, जींद, बिथमेड़ा, मोरनी हिल्स (हरियाणा), फिरोजपुर, हारिके, पठानकोट तथा होशियारपुर (पंजाब) में टेटीगोनाइडों का दिन एवं रात में एकत्रण किया गया। वयस्कों का सजीव छायाचित्रण किया गया, मार कर स्ट्रेच्ड तथा पिन किया गया। अवयस्क केटीडिड्स का पिंजरों में पालन किया गया।

- हरिद्वार तथा देहरादून में सर्वेक्षण किया गया तथा थानो रेंज, ऋषिकेश (देहरादून) तथा हरिद्वार में विभिन्न वानिकी वृक्षों : *टैक्टोना ग्रैण्डिस, मुर्राया कोइन्गी, पोपुलस प्रजा.* तथा *डलबर्जिया सिस्सू, फाइकस रेलिगिओसा* से प्रयोगशाला पालन के लिए कीट लार्वा/कोकुन (*सायना कोकिनिए, यूटैक्टोना मैचिएरेलिस, हिब्लिया प्यूरा, जिओमैट्रिड सेमी–लूपर, पायरेलिड सेमी लूपर, क्लोसटेरा फुलगुरिटा* तथा *क्लोसटेरा क्यूप्रेटा* व *हिब्लिया प्यूरा* पर *एपेन्टेलस* कोकुन) के 21 नमूनों को एकत्रित किया गया जोकि *एपेन्टेलस* प्रजा. के उद्भव के लिए जारी रहा। एकत्र किए गए परजीवीकृत लार्वा से 14 *एपेन्टेलस* प्रजा. (*एपेन्टेलस रूईडस* के समीपस्थ) का उद्भव हुआ 50% परजीवीकरण अभिलिखित किया गया। स्लाइड निर्माण तथा अभिज्ञान प्रगति में हैं।

- एक सर्वेक्षण में, देहरादून तथा यमुनानगर जिलों में विभिन्न वानिकी वृक्षों : *कैसिया फिस्टुला, क्लाइ्रास्टिस केण्टुकेइए, हेलिस्टेरस इसोरा, होलोप्टेलिआ इण्टीग्रिफोलिआ, लेजरस्ट्रोइमिआ स्पेसिओसा, मीलिया डुबिया, पोपुलस डेल्टोइड्स, रिसिनस कोम्म्यूनिस, सिजियम क्यूमिनि* तथा *टैक्टोना ग्रैण्डिस* से कीट अण्डों के 37 नमूने एकत्रित किए गए। एकत्रित अण्ड नमूनों से दो अण्ड परजीव्याभों : *कैसिया फिस्टुला* पर *केटोपसिला पोमोना* के अण्डों से *ट्राइकोग्राम्मा* प्रजा. तथा *लेजरस्ट्रोइमिआ स्पेसिओसा* पर व्हील बग के अण्डों से *बेरीकोनस* प्रजा. का उद्भव हुआ। 10 अण्ड परजीव्याभों का प्रजाति स्तर तक अभिज्ञान किया गया, जिन्हें विगत में एकत्रित किए गए स्वीपिंग नमनों : *एफेलिनोडिए ग्वालिओरेन्सिस, चेइटोग्राम्मा* (*हिसरेन्सिस* के समीपस्थ), *ड्यूटा* प्रजा., *हेइकेलिएनिए सिन्गुलेरिस* प्रजा. न.प्रजा.., *हेइकेलिएनिए* प्रजा, *लेथ्रोमेरोडिए डिओरिएन्सिस* प्रजा. न.प्रजा., *लेथ्रोमेरोडिए इण्डिका* प्रजा. न.प्रजा., *लेप्टोमस्टीक्स* प्रजा., *माइक्रोटेरयस* प्रजा. तथा *ट्रुमिडिक्लावा* प्रजा. से विभेदित किया गया। छायाचित्रण तथा स्लाइड निर्माण प्रगति में हैं।

- मानसून ऋतु के अंतिम दिनों में देहरादून जिले के चकराता वन प्रभाग के देववन आरक्षित वन में क्षेत्र सर्वेक्षण किया गया। 2 वन उप–प्रकारों नामतः 12/C1a बन ओक वन, 12/C1d पश्चिमी मिश्रित शंकुधारी वनों के 14 ट्रान्जैक्टों में नमूना एकत्रण किया गया। कुल 27 प्रजातियों के नमूने लिए गए तथा असामान्य तितलियों की प्रजाति के 6 प्रतिदर्शों को एकत्रित एवं परिरक्षित किया गया। इन स्थलों से अभिज्ञान के लिए विभिन्न वन उप–प्रकारों से वृक्षों एवं शाकों की 2 प्रजातियों के हर्बेरियम प्रतिदर्श भी एकत्रित किए गए। लार्वल मेजबान पादपों के आंकड़ा–संचय को अद्यतन किया गया और 13 हर्बेरियम प्रतिदर्श निर्मित किए गए तथा विगत दौरे के आंकड़ा–संचय को चिह्नित किया गया और बागेश्वर एवं पिथौरागढ़ जिलों के ऊपरी कुमाऊं क्षेत्र से नमूने एकत्रित किए गए स्थलों व वन उप–प्रकारों के भौगोलिक सूचना आधारित कृत्रिम रंग के सम्मिश्र मानचित्र सृजित किए गए।

- उत्तराखण्ड के देहरादून जिले के देवबन आरक्षित वन, चकराता वन प्रभाग में मानसून ऋतु के दौरान नवीन नाशीकीटों तथा उनके द्वारा क्षति की व्यापकता को दर्ज करने के लिए वृक्ष परिधि प्रस्तम्भ उंचाई, घनत्व तथा वानस्पितिक संरचना, घटनाएं व संक्रमण प्रतिशत को अभिलिखित करने के लिए 20 क्वाड्रेट्स (10m X 10m) निर्धारित कर खारसु, *क्यू. सेमीकार्पिफोलिया* वनों में एक क्षेत्र सर्वेक्षण किया गया। बाँज ओक वनों से शलभों की चार प्रजातियों के लार्वा भी एकत्रित किए गए जिसे बन ओक पर प्रयोगशाला में पाला गया। संक्रमित वृक्षों से वेधक द्वारा संक्रमित 2 खारसु ओक के कुन्दों को एकत्रित किया गया तथा प्रयोगों के लिए प्रयोगशाला में लाया गया। क्षेत्र में संक्रमित बाँज के वृक्षों से हाइमेनोप्टेरन परजीव्याभ की एक प्रजाति को एकत्रित किया गया। विगत में देवबन आरक्षित वन, चकराता से लाए गए बन एवं खारसु ओक कुन्दों पर सिरामबिसिड तना वेधक *जायलोट्रेकस बेसिफ्यूलीजिनोसिस* के जीव विज्ञान पर प्रयोग प्रयोगशाला में जारी थे। खारसु ओक वेधक

जायलोट्रेकस बेसिफ्यूलीजिनोसिस के वयस्कों का आकारमितीय अध्ययन भी किया गया। पश्चिमी हिमालयी ओक पर आक्रमण करने वाले कीटों पर आंकड़ा–संचय में कोलियोप्टेरा की 5 प्रजातियों की सूचना समेकित कर अद्यतन किया गया। कुमाऊं क्षेत्र में क्वर्कस लेनाटा स्मिथ, 1819 (फेबासिइ) के तरूण वृक्ष को संक्रमित करने वाले सोरेयूटिस हूबनेर [1825] प्रजा. [लेपीडोप्टकरा : डिटरेशिया : शिसिओडिए : सोरेयूटिडि]के जीवन चक्र का पहली बार अध्ययन किया गया।

- कीट प्रजातियों के 106 प्रकारों को लगभग 700 छायाचित्रों के साथ डिजीटलीकृत किया गया। दराज 83–103 तक 3387 प्रजातियों के नामों को सत्यापित किया गया। दराज 35 से 56 तथा 63 से 82 को तीनों प्रारूपों JPEG, Tiff तथा reduced में छायाचित्रों को संग्रहित करने के लिए जाँचा गया। वन अनुसंधान संस्थान के राष्ट्रीय वन कीट भण्डार का डिजीटलीकरण एवं संवर्धन, फेज – II प्रगति में है।
- अरूणाचल प्रदेश में पाये जाने वाली वैलेरियाना जटामंसी की 9 वृक्ष आबादियों में GC-MS के द्वारा हैक्सेन निष्कर्षो में चिह्नित वाष्पशील घटकों के सौपानिक समूहबद्ध जाँच (HCA) ने इन वृक्ष आबादियों को 4,3 तथा 2 वृक्ष आबादी के 3 मुख्य समूहों में विभेदीकरण करने दिया
- उत्तराखण्ड के चमोली वन प्रभाग के केदारनाथ वन्यजीव अभयारण्य में पाये जाने वाली टैक्सस बकाटा की वृक्ष आबादी के 25 अनुक्रमों में हिम शुष्कित सूचिकाओं के मिथेनोल निष्कर्ष को उनकी मार्कर की सहायता से रसायनिक जाँच के लिए पृथक किया गया।

वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर

- कैजुरिना रोपणियों में उपज आकलन के लिए कृषक हितैषी मोबाइल अनुप्रयोग का विमोचन किया गया।
- तमिलनाडु में 69 कैजुरिना रोपणियों के 200 वृक्षों से नमूना लेकर *कैजुरिना इक्विसेटीफोलिया* की रोपणियों के लिए बायोमास सारिणी तैयार की गई। नमूना ली गई रोपणियों में 8.5 से 29.5 से.मी. तक की वृक्ष परिधियों के साथ नमूना ली गई रोपणियों की आयु 2 से 7.5 वर्ष तक थी तथा कुल ऊंचाई 4.5 से लेकर 14.6 मीटर तक थी। इन क्षेत्र आंकड़ों से विकसित बेस्ट–फिट रिग्रेशन मॉडल का उपयोग कर, एक कृषक हितैषी मोबाइल अनुप्रयोग विकसित किया गया तथा व.आ.वृ.प्र.सं. द्वारा 22 अक्टूबर 2019 को जयामकोण्डम में आयोजित वृक्ष उत्पादक मेले में विमोचित किया गया। मोबाइल अनुप्रयोग कृषक हितैषी है क्योंकि कृषक को अपने खेतों में प्रत्येक 20 वृक्षों में वृक्ष पंक्तियों के समांतर पैदल चलकर मात्र परिधि की नाप से केवल 5% नमूना एकत्रण करने की आवश्यकता है जिसमें सम्पूर्ण रोपणी समावेशित हो जाती है तथा इस मोबाइल अनुप्रयोग के द्वारा प्रतिनिधि वृक्षों का उपज आकलन के लिए मापन हो जाता है। कृषक को खड़ी रोपणियों में इस उपज के आकलन से क्रेताओं/बिचौलियों को अपनी रोपणियों का विक्रय के लिए बेहतर मोलभाव करने की सुविधा प्राप्त होती है। यह मोबाइल अनुप्रयोग अब गुगल प्ले स्टोर पर "CYCUS" – अर्थात कैजुरिना उपज परिकलन उपयोज्यता सॉफ्टवेयर नाम से उपलब्ध है।

काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु

- काष्ठ पॉलीमर सम्मिश्रों का जैविक निम्नीकरण तथा अपक्षय व्यवहार

काष्ठ पालीमर सम्मिश्र के एक वर्ष तक प्राकृतिक अपक्षय से सम्मिश्र सामग्री की बलकृत शक्ति में कमी हुई। आनमनी सामर्थ्य (flexural strength) में कमी 6% से लेकर 15% तक के स्तर तक थी तथा तनन प्रतिबल (tensile strength) 10% से लेकर 18% तक के स्तर तक थी। कवक प्रतिरोध पर अध्ययन ने सम्मिश्रों में 60% काष्ठ मात्रा में महत्वपूर्ण वजन ह्रास (18% तक) इंगित किया, इससे संयोजन में कवकनाशी की आवश्यकता इंगित होती है। बहु–स्थाने दीमक पर अनावरण में सम्मिश्र किसी भी प्रकार के दीमक आक्रमण से मुक्त थे।

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

- जयपुर तथा माउंट आबु के राजभवनों के दौरे के दौरान, अनेकों पादपों पर कीट द्वारा पर्ण क्षति दर्ज की गई। कुछ वृक्षों में अर्बुद उत्पत्ति प्रेक्षित की गई। जयपुर में पीपल (*फाइकिस रेलिजिओसा*) तथा आम (*मैन्नीफेरा इण्डिका)* के वृक्षों पर कज्जली फफूंद (sooty mold) व्याधि दर्ज की गई, जबकि दोनों स्थलों पर कुछ मात्रा में पर्ण शीर्णता (leaf blight) तथा धब्बों का अभिज्ञान किया गया। माउंट आबु में किट्ट (rust) व्याधि प्रेक्षित की गई।

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

- चम्बा जिले के तीसा वन रेंज से 20 वन्य मशरूम प्रतिदर्शों को एकत्रित किया गया। 6 मशरूम नमूनों यथा *क्लावेरिआ जौलिन्गेरी, ट्रामेटेस हिरूसुटा, एमेनिटा पैन्थेरिना, वोलवेरिल्ला बोम्बायसिना, रूस्सयूला इमेटिका, हेल्वेला एट्रा* को प्रजाति स्तर तक चिह्नित किया गया।
- समशीतोष्ण औषधीय पादपों – *एन्जेलिका ग्लाउका* तथा वैलेरियाना जटामंसी से संबद्ध आर्बुस्कुलर माइकोराइजल कवक की विविधता का अध्ययन किया गया।
- चम्बा जिले के तीसा वन रेंज से *क्वर्कस डिलाटा* के मुख्य नाशी–कीटों के 30 कीट नमूने तथा क्राइसोपली प्रजा. – लेपीडोप्टेरन लार्वा का एक परभक्षी को प्रयोगशाला में पाला गया।

कैजुरिना रोपणियों में उपज आकलन के लिए कृषक हितैषी मोबाइल अनुप्रयोग का विमोचन

विदेश दौरे

अधिकारी का नाम	संस्थान	दौरे का उद्देश्य	समयावधि	स्थान
डॉ. सुरेश गैरोला, महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प.; डॉ. वी.पी.तिवारी, वैज्ञानिक – 'जी'; डॉ. संगीता गुप्ता, वैज्ञानिक – 'जी'; मनीषा थपलियाल, वैज्ञानिक – 'एफ'; डॉ. बी.एन. दिवाकर, वैज्ञानिक – 'ई'	भा.वा.अ.शि.प., मुख्यालय; व.अ.सं., देहरादून; का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरू	15वीं आई.यू.एफ.आर.ओ. विश्व कांग्रेस	29 सितम्बर से 5 अक्टूबर 2019	ब्राजिलियन एग्रीकल्चरल रिसर्च कार्पोरेशन कुर्टिबा, ब्राजील
डॉ. वी. जीवा, वैज्ञानिक – 'एफ'	भा.वा.अ.शि.प., मुख्यालय	7 वां अंतरराष्ट्रीय वन्यभूमि वनाग्नि सम्मेलन	28 अक्टूबर से 1 नवंबर 2019	ब्राजील
डॉ. रेखा आर. वारियर, वैज्ञानिक – 'एफ'	व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर	क्षेत्रीय वन आनुवंशिक विज्ञान कार्यशाला	21 से 23 अक्टूबर 2019	बीजिंग, चीन
डॉ. ए. निकोडेमस, वैज्ञानिक – 'एफ' तथा डॉ. ए. कार्तिकेयन, वैज्ञानिक – 'एफ'	व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर	6 वां अंतरराष्ट्रीय कैजुरिना सम्मेलन	21 से 23 अक्टूबर 2019	कार्बी, थाइलैण्ड

वृक्ष उत्पादक मेला

संस्थान	प्रतिभाग/आयोजित	समयावधि	स्थान
व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर	वृक्ष उत्पादक मेला	23 अक्टूबर 2019	थिरूवन्नामलाई, तमिलनाडु

थिरूवन्नामलाई, तमिलनाडु में वृक्ष उत्पादक मेला

कार्यशाला/संगोष्ठी/बैठकें

क्र. सं.	विषय	समयावधि	लाभार्थी
	वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून		
1.	यमुना नदी के जीर्णोद्धार पर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट के निर्माण पर यमुना जलांचल क्षेत्र का हिमाचल प्रदेश वन विभाग	19 अक्टूबर 2019	शिमला तथा सोलन वृत्त के कार्मिक

वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर

2.	वानिकी हस्तक्षेपों के माध्यम से कावेरी नदी के जीर्णोद्धार पर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट का निर्माण	16 अक्टूबर 2019	प्रधान मुख्य वन संरक्षक तथा प्रमुख, वन बल, तमिलनाडु वन विभाग
3.	अनुसंधान सलाहकार समूह बैठक	16 तथा 17 अक्टूबर 2019	व.आ.वृ.प्र.सं. के अधिकारी, वैज्ञानिक तथा प्रतिनिधि

वानिकी हस्तक्षेपों के माध्यम से कावेरी नदी के जीर्णोद्धार के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट के निर्माण पर बैठक

अनुसंधान सलाहकार समूह की बैठक

काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु

4.	अनुसंधान सलाहकार समूह बैठक	22 अक्टूबर 2019	अनुसंधान सलाहकार समूह सदस्य जिसमें वन विभाग, विश्वविद्यालय, उद्योग इत्यादि का समावेश कर विषय वस्तु विशेषज्ञ

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

5.	प्रस्तावित पर्यावरणीय जागरूकता केन्द्र	8 अक्टूबर 2019	ए.बी.बी.एम., ई.ए.सी. तथा संस्थान

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

6.	वानिकी हस्तक्षेपों के माध्यम से सतलज नदी द्रोणी के जीर्णोद्धार के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट के निर्माण हेतु प्रथम परामर्शी बैठक	16 अक्टूबर 2019	कृषि, उद्यान, लोक निर्माण विभाग, आपदा प्रबंधन, शहरी विकास, पशु पालन विभाग के अधिकारी, पी.ए.यू., लुधियाना के कर्मचारी तथा पंजाब राज्य वन विभाग के अधिकारी
7.	वानिकी हस्तक्षेपों के माध्यम से सतलज नदी द्रोणी के जीर्णोद्धार के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट का निर्माण पर दो परामर्शी बैठकें	23 तथा 24 अक्टूबर 2019	कोटगढ़ तथा रामपुर प्रभागों के रेंज अधिकारी तथा वन रक्षक

8.	अनुसंधान सलाहकार समूह बैठक	24 अक्टूबर 2019	हि.व.अ.सं. के अधिकारी, वैज्ञानिक
9.	वन पारितंत्र में कीटों का जैव सूचक के रूप में महत्व	25 अक्टूबर 2019	अधिकारी, वैज्ञानिक, तकनीकी कार्मिक तथा शोधार्थी
10.	वानिकी हस्तक्षेपों के माध्यम से सतलज नदी द्रोणी के जीर्णोद्धार के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट का निर्माण पर परामर्शी बैठक	30 अक्टूबर 2019	हिमाचल प्रदेश राज्य वन विभाग के कुनिहर वन प्रभाग से अधिकारी एवं कर्मचारी

अनुसंधान सलाहकार समूह की बैठक

वानिकी हस्तक्षेपों के माध्यम से सतलज कावेरी नदी द्रोणी के जीर्णोद्धार के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट के निर्माण पर बैठक

वन उत्पादकता संस्थान, राँची

11.	वानिकी हस्तक्षेपों के माध्यम से महानदी, नर्मदा तथा गोदावरी नदियों के जीर्णोद्धार के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट का निर्माण	4 अक्टूबर 2019	राज्य वन विभाग, कृषि, जल संसाधन, कृषि विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् तथा अन्य मुख्य संबद्ध संगठनों से अधिकारी
12.	अनुसंधान सलाहकार समूह बैठक	23 अक्टूबर 2019	वन अधिकारी, वैज्ञानिक, अनुसंधान अधिकारी, गैर सरकारी संगठन तथा प्रगतिशील कृषक इत्यादि
13.	वन उत्पादकता संस्थान – कृषि विज्ञान केन्द्र सहयोगी कार्य तथा विस्तार	28 अक्टूबर 2019	कृषक

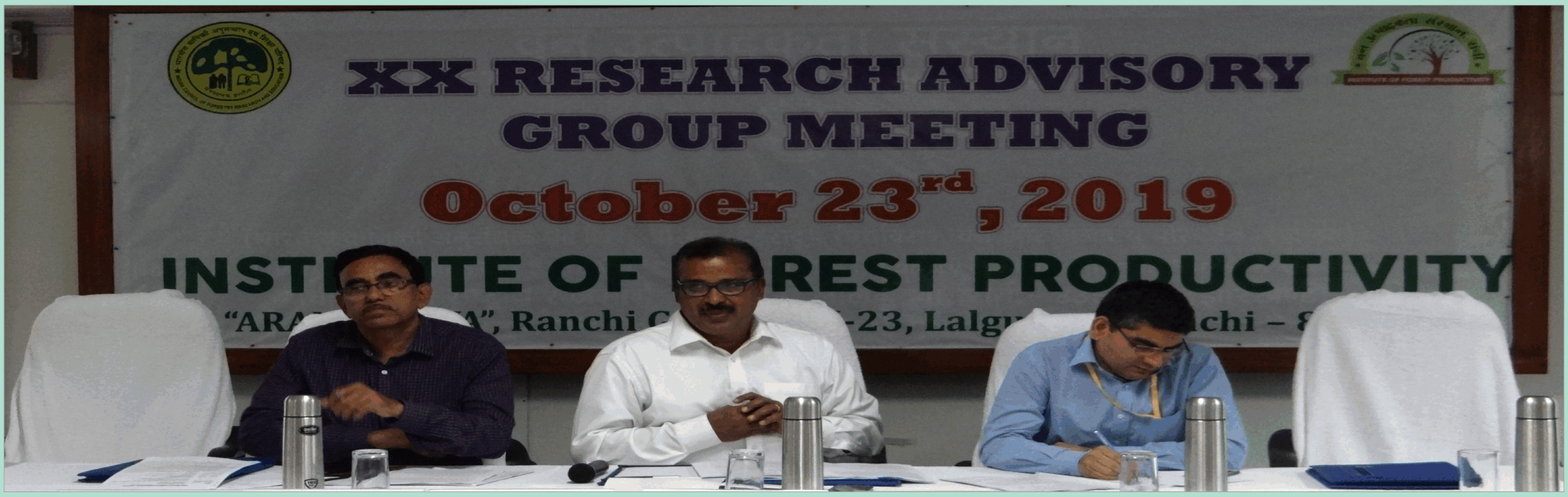

अनुसंधान सलाहकार समूह की बैठक

वन जैवविविधता संस्थान, हैदराबाद

14.	वानिकी हस्तक्षेपों के माध्यम से गोदावरी, नर्मदा तथा कृष्णा नदियों के जीर्णोद्धार के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट का निर्माण	10 सितम्बर 2019	आंध्र प्रदेश के हितधारक

वानिकी हस्तक्षेपों के माध्यम से गोदावरी, नर्मदा तथा कृष्णा नदियों के जीर्णोद्धार के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट के निर्माण पर बैठक

प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्र. सं.	विषय	समयावधि	लाभार्थी
	वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून		
1.	पैराटैक्सोनॉमी	30 सितंबर 2019 से 4 अक्टूबर 2019	गंगोत्री, गोविंद तथा धर्मा, ब्यांस घाटी के स्थानीय समुदाय
2.	जीविका सुधार के लिए कृषि वानिकी	14 से 16 अक्टूबर 2019	कृषक, वन कर्मचारी, उद्यमी तथा काष्ठ आधारित उद्योगों के प्रतिनिधि

पैराटैक्सोनॉमी पर प्रशिक्षण

आजीविका सुधार के लिए कृषि वानिकी पर प्रशिक्षण

वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर

3.	जैव पूर्वेक्षण एवं जैव चौर्य	9 से 11 अक्टूबर 2019	विभिन्न सरकारी विभागों के अधिकारी

4.	जनजातियों को सम्मिलित कर अपशिष्ट से कम्पोस्ट का विकास	31 अक्टूबर 2019	कोयम्बटूर जिले के थम्बापत्थी, पोलाची के महिला स्वयं सहायता समूह

काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरू

5.	काष्ठ विज्ञान	3 अक्टूबर 2019	वन तकनीकी एवं प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थान, कडुगोडी, कर्नाटक के वन रक्षक प्रशिक्षु
6.	कुछ महत्वपूर्ण प्रकाष्ठों का क्षेत्र अभिज्ञान	14 से 17 अक्टूबर 2019	कॉलेज ऑफ फॉरेस्ट्री, पोन्नामपेट, कोडागु के B.Sc. (वानिकी) के छात्र

उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर

7.	नदी जीर्णोद्धार के अंतर्गत वानिकी हस्तक्षेपों के माध्यम से नर्मदा नदी के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट का निर्माण के लिए नर्मदा नदी तथा इसकी सहायक नदियों के किनारे आंकड़े एकत्रण	4 से 22 अक्टूबर 2019	एस.डी.ओ., रेंजर, क्षेत्र कर्मचारी
8.	लाख कृषि	14 से 18 अक्टूबर 2019	कृषक

वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट

9.	हिमालय अध्ययन पर राष्ट्रीय मिशन के अंतर्गत बाँस चारकोल उत्पादन तथा ब्रिकेटिंग	22 से 24 अक्टूबर 2019	असम के कार्बी एन्गलॉग जिले के चयनित ग्रामों से प्रतिभागी
10.	समुदायों की जीविका समस्याओं के संबोधन के लिए बाँस संसाधन विकास	29 से 31 अक्टूबर 2019	कृषि, पशुपालन, मिजोरम विश्वविद्यालय, वन विभाग, ग्रामीण विकास, कृषक, गैर सरकारी संगठन इत्यादि

हिमालय अध्ययन पर राष्ट्रीय मिशन के अंतर्गत बाँस चारकोल उत्पादन तथा ब्रिकेटिंग पर प्रशिक्षण

समुदायों की जीविका समस्याओं के संबोधन के लिए बाँस संसाधन विकास पर प्रशिक्षण

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

11.	औषधीय पादपों की कृषि, अभिज्ञान, बीज एवं नर्सरी तकनीकियां, यंत्रीकरण तथा डी.एन.ए. निष्कर्षण	13 अगस्त से 25 अक्टूबर 2019	B.Sc. वानिकी के अंतिम वर्ष के छात्र

वन उत्पादकता संस्थान, राँची

12.	लाख कृषि के माध्यम से जीविका सृजन	18 अक्टूबर 2019	कृषक
13.	महानदी नदी पर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट का निर्माण	25 तथा 26 अक्टूबर 2019	राज्य वन विभाग, गैर सरकारी संगठन, हितधारक तथा स्थानीय व्यक्ति

लाख कृषि के माध्यम से जीविका सृजन पर प्रशिक्षण

समझौता ज्ञापन

- वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर ने सागौन के कृन्तकों के वृहद स्तर उत्पादन के लिए वाणिज्यिक उत्तक संवर्धन प्रयोगशाला एस.पी.आई. सी. – एग्रो बायोटेक सेण्टर के साथ 16 अक्टूबर 2019 को एक औपचारिक समझौता किया। व.आ.वृ.प्र.सं. ने केरल तथा तमिलनाडु से मंगाये गए सागौन के चयनित जीनप्ररूपों के वृहद स्तर नवांकुर उत्पादन के लिए सूक्ष्म–प्रवर्धन प्रोटोकॉलों का विकास किया। इस समझौता ज्ञापन के अंतर्गत, एस.पी.आई.सी. संस्थान द्वारा विकसित सागौन कृन्तकों को वाणिज्यिक रूप से प्रवर्धित करेगा, जिन्हें कृषकों को व.आ.वृ.प्र.सं. के माध्यम से उपलब्ध कराया जाएगा।

प्रकृति कार्यक्रम

- ''प्रकृति'' कार्यक्रम के अंतर्गत केन्द्रीय विद्यालय, भारतीय तिब्बत सीमा पुलिस, देहरादून के 177 छात्रों ने अपने शिक्षकों के नेतृत्व में 4 अक्टूबर 2019 को व.अ.सं., देहरादून का दौरा किया। डॉ. ए.के. पाण्डेय, प्रमुख, विस्तार प्रभाग, व.अ.सं. ने सभी छात्रों एवं उनके शिक्षकों का स्वागत किया। तत्पश्चात, संस्थान का संक्षिप्त परिचय तथा पर्यावरण व समाज के प्रति इसके इसके योगदान के बारे में प्रतिभागियों को अवगत कराया गया। उसके पश्चात छात्रों को व.अ.सं. में वानस्पतिक बाग, बाँस वाटिका तथा विभिन्न संग्रहालयों यथा वन व्याधिकी संग्रहालय, वन संवर्धन संग्रहालय, प्रकाष्ठ संग्रहालय, अकाष्ठ वन उत्पाद संग्रहालय तथा वन कीटविज्ञान संग्रहालय में भी लेकर जाया गया। विभिन्न संग्रहालयों के भ्रमण के दौरान, छात्रों द्वारा पूछी गयी समस्याओं को संग्रहालयों में संबंधित वैज्ञानिक/अधिकारी द्वारा स्पष्ट किया गया।
- नव रचना पब्लिक स्कूल, रूड़की के 25 छात्रों के एक समूह ने अपने शिक्षकों के नेतृत्व में 15 अक्टूबर 2019 को वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून का दौरा किया। विस्तार प्रभाग, व.अ.सं. के वैज्ञानिकों ने सभी छात्रों एवं उनके शिक्षकों का स्वागत किया। तत्पश्चात, विस्तार प्रभाग, व.अ.सं. के वैज्ञानिकों ने संस्थान का संक्षिप्त परिचय तथा पर्यावरण व समाज के प्रति इसके इसके योगदान के बारे में प्रतिभागियों को अवगत कराया। उसके पश्चात छात्रों को वानस्पतिक बाग, बाँस वाटिका तथा विभिन्न संग्रहालयों में भ्रमण के लिए ले जाया गया।
- जवाहर नवोदय विद्यालय, शंकरपुर, सहसपुर, जिला – देहरादून, उत्तराखण्ड के छात्रों को डॉ. अरूण पी. सिंह, वैज्ञानिक – 'एफ' द्वारा विद्यालय के निकटवर्ती साल वन क्षेत्रों में ट्रैकिंग कर पक्षी दर्शन के लिए लेकर जाया गया।
- व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर ने 23 अक्टूबर 2019 को व.आ.वृ.प्र.सं. में केन्द्रीय विद्यालय के शिक्षकों के जैवविविधता तथा इसके संरक्षण पर ज्ञान की पुनश्चर्या के लिए एक संवेदीकरण पाठ्यक्रम आयोजित किया, जिसे

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्तपोषित किया गया।

- व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर द्वारा विद्यालय एवं महाविद्यालय के छात्रों के लिए प्रकृति कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस माह की विषय वस्तु ''नृ विज्ञान एवं वन संरक्षण'' थी। गॉस संग्रहालय का नृ विज्ञान अनुभाग कुल्हाड़ी, आरा, धनुष, बाण तथा बंदूकों को सम्मिलित करता है। छात्रों को इस अनुभाग में प्रदर्शित वस्तुओं की बनावट तथा उपयोग के बारे में उत्सुकता से समझाया गया तथा छात्रों को संवहनीय वन प्रबंधन के महत्व का बोध हुआ। कार्यक्रम में कोयम्बटूर जिले के 14 विद्यालयों से 739 छात्र तथा कला, विज्ञान एवं अभियांत्रिकी को सम्मिलित कर कोयम्बटूर एवं डिण्डीगुल के 7 महाविद्यालयों से 184 महाविद्यालय छात्रों ने कार्यक्रम में प्रतिभाग किया।
- ''प्रकृति'' कार्यक्रम के अंतर्गत एन.आइ.टी.टी.ई. स्कूल ऑफ फैशन टैक्नोलॉजी एण्ड इण्टीरियर डिजाइन, बेंगलुरु के B.Sc. (Interior Design) के 18 छात्रों ने 24 अक्टूबर 2019 को का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु का दौरा किया।
- ''प्रकृति'' कार्यक्रम के अंतर्गत उ.व.अ.सं., जबलपुर ने 14 अक्टूबर 2019 को केन्द्रीय विद्यालय, नरसिंहपुर के कक्षा 10वीं तथा 12वीं के छात्रों के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में 75 छात्रों एवं 6 शिक्षकों ने प्रतिभाग किया।
- ''प्रकृति'' कार्यक्रम के अंतर्गत व.व.अ.सं., जोरहाट ने 15 तथा 30 अक्टूबर 2019 को पर्यावरण तथा वन गतिविधियों पर जवाहर नवोदय विद्यालय शिवसागर तथा आइजोल के 480 छात्रों के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया।
- ''प्रकृति छात्र–वैज्ञानिक मिलन कार्यक्रम'' के अंतर्गत हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला ने केन्द्रीय विद्यालय, हमीरपुर के 10वीं, 11वीं और 12वीं के विद्यार्थियों के लिए वानिकी तथा पर्यावरण के बारे में जागरूक करने के उद्देश्य से दिनांक 03 अक्टूबर 2019 को एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया।

जवाहर नवोदय विद्यालय, शिवसागर, असम के छात्र

केन्द्रीय विद्यालय, हैदराबाद के छात्र

व.आ.वृ.प्र.सं. में प्रकृति कार्यक्रम के अंतर्गत छात्रों ने गॉस वन संग्रहालय का दौरा किया

केन्द्रीय विद्यालय, नरसिंहपुर के छात्र

जागरूकता कार्यक्रम

- व.आ.वृ.प्र.सं. में वन आनुवंशिक संसाधन तथा वृक्ष सुधार पर पर्यावरणीय सूचना प्रणाली के संसाधन भागीदार ने 25 अक्टूबर 2019 को हरित दीपावली मनाने पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया।
- व.आ.वृ.प्र.सं. में वन आनुवंशिक संसाधन तथा वृक्ष सुधार पर पर्यावरणीय सूचना प्रणाली के संसाधन भागीदार ने 4 अक्टूबर 2019 को वन्यजीव सप्ताह का आयोजन किया। कार्यक्रम को मनाने का मुख्य उद्देश्य संतुलित एवं स्वस्थ पर्यावरण के लिए वन्यजीव संरक्षण की महत्ता पर ध्यान केन्द्रित करना था।

हरित दीपावली मनाने पर जागरूकता कार्यक्रम

वन्यजीव सप्ताह का आयोजन

गण्यमान्य व्यक्तियों का दौरा

- माननीय जस्टिस, श्री महेश सोनक, बम्बई उच्च न्यायालय के न्यायाधीश ने 24 अक्टूबर 2019 को वन अनुसंधान संस्थान का दौरा किया।

परामर्शी

- टिहरी हाइड्रो डेवलपमेंट कार्पोरेशन इंडिया लि.; हिमाचल प्रदेश पावर कार्पोरेशन लि.; कर्नाटक स्टेट ऑफिशियल एथोरिटी; प.व.ज.प.मं., भारत सरकार, नई दिल्ली; कोल इंडिया लिमिटेड, कोलकाता; एन.टी.पी.सी. लि., नोएडा; एन.एम.डी.सी.लि., हैदराबाद; सिंगरेनी कोल्लिएरिज कम्पनी लि., कोठागुडेम; छत्तीसगढ़ वन विभाग, रायपुर, वन एवं पर्यावरण विभाग, भुवनेश्वर तथा खैराहा यू.जी. कोल माइन ऑफ एस.ई.सी.एल., मध्य प्रदेश द्वारा प्रदत्त 11 परामर्शी परियोजनाओं पर भा.वा.अ.शि.प. वर्तमान में कार्य कर रहा है।

विविध

संस्थान	विशेष दिन / विषयवस्तु	समयावधि
भा.वा.अ.शि.प. तथा इसके संस्थान	महात्मा गाँधी का 150वां जन्मदिवस	02 अक्टूबर 2019
	राष्ट्रीय एकता दिवस	31 अक्टूबर 2019
	सतर्कता जागरूकता सप्ताह	अक्टूबर 2019

व.अ.सं., देहरादून में महात्मा गाँधी का 150वां जन्मदिवस मनाया गया

व.अ.सं., देहरादून में राष्ट्रीय एकता दिवस

हि.व.अ.सं., शिमला में सतर्कता जागरूकता सप्ताह

मानव संसाधन समाचार

नियुक्ति

अधिकारी का नाम	तिथि
श्री अनुराग भारद्वाज, भा.व.से., निदेशक (अंतरराष्ट्रीय सहयोग), भा.वा.अ.शि.प., मुख्यालय	23.10.2019

पदोन्नति

अधिकारी का नाम	तिथि
श्री अमर सिंह, पुस्तकालयाध्यक्ष, व.अ.सं., देहरादून	04.10.2019

शोक समाचार

डॉ. पंकज अग्रवाल, वैज्ञानिक – 'जी' के दिनांक 8 अक्टूबर 2019 को आकस्मिक देहावसान पर भा.वा.अ.शि.प. परिवार अत्यंत खेद प्रकट करता है तथा दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करता है।

संरक्षक:
डॉ. सुरेश गैरोला, महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प., देहरादून

संपादक मंडल:
श्री विपिन चौधरी, उप महानिदेशक (विस्तार), अध्यक्ष
डॉ. (श्रीमती) शामिला कालिया, सहायक महानिदेशक (मीडिया एवं विस्तार), मानद सम्पादक
श्री रमाकान्त मिश्र, मुख्य तकनीकी अधिकारी, (मीडिया एवं विस्तार प्रभाग),सदस्य

प्रत्याख्यान
- केवल निजी रूप से प्रसारण करने हेतु।
- वानिकी समाचार में, प्रकाशित सामग्री, संपादक मंडल के विचारों को अनिवार्यतः प्रतिबिंबित नहीं करती है।
- यहाँ प्रकाशित सूचना के लिए किसी भी प्रकार के नुकसान की भरपाई के लिए भा.वा.अ.शि.प. उत्तरदायी नहीं होगा।